D/C.

MTNL EXECUTIVES' ASSOCIATION
CENTRAL HEAD QUARTERS, NEW DELHI
[Affiliated to National Confederation of Officers' Associations of Central Govt. PSUs (NCOA)]

ALL CORRESPONDENCE
TO GENERAL SECRETARY

V.K.TOMAR
General Secretary
Dy. Secretary General, NCOA
Res.: 239, Ashoka Enclave Part - I
Faridabad-121003 (Haryana)
Off.: 23314320, Fax.: 23311830
(M) 09868133336, (R) 01292277100

Ref. No.: MEA/CHQ/ Dir(HR).

DATE : 25-02-13

सेवा में,

निदेशक (कार्मिक)
महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड
9 सी जी ओ कॉपलेक्स, एम टी एन एल दूर संचार सदन,
नई दिल्ली-110003

विषयः महानगर टेलीफोन निगम में हिन्दी अनुवादकों की पदोन्नति व वेतनमान के संबंध में।

महोदय,

कृपया राजभाषा संवर्ग की दीर्घकाल से चली आ रही समस्याएं आपके द्वारा सहानुभूतिपूर्वक विचार किए जाने के लिए निम्न-बिन्दुओं के अंतर्गत उल्लेखित हैं:-

1 भारत सरकार की राजभाषा(हिन्दी) नीति के अनुपालन हेतु एम0टी0एन0एल में भी हिन्दी संवर्ग है। इस संवर्ग के अंतर्गत केवल दो ही पद फिलहाल कार्यरत हैं हिन्दी अनुवादक तथा हिन्दी अधिकारी [अब सहायक प्रबन्धक(राजभाषा)]।

2 वर्ष-1995-1996 में सीधी भर्ती से हिन्दी अनुवादक भर्ती हुए जो निगम बनने के बाद आज तक 16-17 वर्ष की सेवा के बाद भी केवल हिन्दी अनुवाद्क-ग्रेड-2 में गैर कार्यपालक के पद पर ही कार्यरत हैं।

3 निगम बनने से पूर्व कोई भी हिन्दी अनुवादक 5 वर्ष के बाद वरिष्ठ हिन्दी अनुवादक के पद पर पदोन्नत होता था तथा उसके तीन वर्ष बाद हिन्दी अधिकारी के पद पर पदोन्नत हो जाता था यह प्रावधान भारत सरकार के राजभाषा विभाग हिन्दी संवर्ग में भी पदोन्नति सुनिश्चित करने हेतु किया गया था ताकि इस संवर्ग को भी आकर्षक बनाया जा सके।

4 वर्ष 1998 में निगम बन जाने के बाद तथा बाद में गैर-कार्यपालकों की पदोन्नति के समय हिन्दी कैडर को भी अन्य नान-एक्जीक्यूटिव की श्रेणी में रख दिया गया तथा वहीं से इस कैडर की दशा और दिशा दोनो बिगड़ गई।

5 निगम बन जाने के बाद महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड में भारत सरकार के राजभाषा विभाग द्वारा जारी तथा दूरसंचार-विभाग द्वारा पृष्ठांकित 6ठे वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुरुप एम0टी0एन0एल में न तो आई0डी0ए0 वेतनमान ही दिए गए और न ही पदोन्नति जिससे इस कैडर में दिल्ली, मुम्बई इकाई में कार्यरत हिन्दी अनुवादक जोकि दहाई के अंक से भी कम है के साथ निर्ममता और अन्यायपूर्ण व्यवहार किया गया।

6 सभी अनुवादक जोकि इस समय एन-11 में है को अगले सात वर्ष तक कोई भी पदोन्नति नहीं दी जाएगी क्योंकि पदोन्नति नीति की दोहरी शर्ते तथा दूसरे नान-एक्जीक्यूटिव की तरह ही इस संवर्ग (हिन्दी कैडर) पर भी वही शर्ते लागू की गई है।

25/2/13

27/2/13

7 महोदय, हिन्दी अनुवादक की शैक्षिक योग्यता, एवं कार्य-प्रकृति अन्य कैडरों यथा लिपिक, दूरभाष पचालक इत्यादि से सर्वथा भिन्न है ऐसे में उन कैडरों की तरह ही इस कैडर में भी पदोन्नति देना अतार्किक एवं अन्यायोचित है अतःइस पर पुनर्विचार करना नितांत आवश्यक है। हिन्दी अनुवादक जोकि 01-10-2006 से एनई-11 में कार्य कर रहे हैं को तत्काल प्रभाव से कार्यपालक संवर्ग में पदोन्नति दी जानी चाहिए।

8 हिन्दी कैडर का नियंत्रक (कंट्रोलर) जोकि राजभाषा विभाग है ने कनिष्ठ/वरिष्ठ अनुवादकों को क्रमशः नया वेतनमान 9300-(ग्रेडपे-4200/4600) रूपये का वेतनमान अराजपत्रित समूह "ख" में प्रदान किया है तथा हिन्दी अधिकारी को 15600—(ग्रेड पे-5600) प्रदान किया गया है। जबकि हमारे विभाग में एन-ई 9 का 7700-11150(संशोधन पूर्व) दिया है तथा हिन्दी अधिकारी को 10750-16500(संशोधन पूर्व)दिया है।

9300-15100(ग्रेडपे 4600) का वेतन मान संशोधन पूर्व के 6500-10500 के बराबर है जोकि तदानुसार एम टी एन एल मे अब 20600(ई-2) के लिए है तथा यही वेतनमान प्रदान करने के लिए हिन्दी अनुवादक लंबे समय से विभाग से निवेदन करते आ रहे हैं। जबकि आशुलिपिकों/निजी सहायकों/सचिवों के लिए विशेष पदोन्नति नीति तथा पदोन्नति के अच्छे अवसर उपलब्ध कराए गए है।

संक्षेप में समाधान हेतु निम्न-बिन्दुओं की ओर भी ध्यान आकृष्ट करना उचित रहेगाः-

1 हिन्दी अनुवादक हिन्दी कैडर का मूल संवर्ग (फीडर कैडर) है इसलिए अन्य कार्य-पालक कैडरों की ही तरह इसे भी कार्यपालक श्रेणी में ही रखा जाना चाहिए।

2 हिन्दी संवर्ग और हिन्दी दोनो के प्रोत्साहन हेतु समाप्त किए गए उपनिदेशक के दो पद पुनः बहाल किए जाने से पदोन्नति के अवसर और बेहतर हो सकेंगें।

3 सहायक प्रबन्धक(राजभाषा) के पहले 11 पद थे जिन्हे कम करके 5 कर दिया गया इन पदों को भी पुनः बहाल किया जाना चाहिए।

4 यदि किसी एक अथवा अन्य कारण से हिन्दी अनुवादकों को वर्तमान में ई-2 देने में कोई तकनीकी कठिनाई हो तो इस कैडर का पुनर्गठन करते हुए सभी अनुवाद्कों को ई-1 के ग्रेड देकर पदनाम में बद्लाव किया जाना भी एक विकल्प हो सकता है। इस हेतु कनिष्ठ हिन्दी अधिकारी, सहायक हिन्दी अधिकारी (जैसा कि कई पीएसयू में है) नाम देने से इस संवर्ग में कार्यरत कर्मियों के प्रोत्साहन व सम्मान हेतु उचित रहेगा।

महोदय, आशा है कि उपर्युक्त बातों से आप इस कैडर की पिछली तथा वर्तमान स्थिति से अवश्य ही परिचित हो गए होंगे तथा इस संबंध में प्रशासन/प्रबंधन उचित ध्यान देने की कृपा करे तथा इस कैडर के कर्मियों के पक्ष में शीघ्र ही कार्रवाई करने का कष्ट करें।

धन्यवाद.

(वी0के0तोमर)
महासचिव
एम टी एन एल एक्जीक्यूटिव एसोशिएशन

प्रतिलिपिःकृपया सूचना व आवश्यक कार्रवाई हेतुः
1. अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक M.T.N.L
2.महाप्रबन्धक(मानव संसाधन), एम टी एन एल,
3. कार्यकारी निदेशक, M.T.N.L, दिल्ली / मुंबई

27-2-13